MA (Sem-II)
MPOLCC-5 लोक प्रशासन का पर्यावरणीय दृष्टिकोण Dr. S.B. Kumar
Ecological Approach of Public Administration
F.W. Riggs

लोक प्रशासन में पर्यावरण, वातावरण अथवा परिस्थिति के अध्ययन का विचार वस्तुतः वनस्पति विज्ञान (Botany) से ग्रहण किया गया है। जिस प्रकार एक पौधे के लिए उपयुक्त जलवायु, प्रकाश तथा बाह्य वातावरण की जरूरत होती है उसी प्रकार एक प्रशासन के विकास के लिए भी एक विशेष वातावरण आवश्यक है। लोक प्रशासन के आधुनिक विचारकों की यह मान्यता है कि किसी भी प्रशासनिक व्यवस्था की समस्त जानकारी हेतु संबंधित प्रशासन के बाह्य पर्यावरण का अध्ययन करना आवश्यक हो जाता है। पर्यावरण संबंधी तत्व न सिर्फ समाज में प्रभावशाली परिवर्तन लाने के लिए उत्तरदायी होते हैं बल्कि प्रशासन और उसके कार्यक्रमों को भी व्यापक रूप से प्रभावित करते हैं। किसी सामाजिक व्यवस्था में पर्यावरण का अर्थ होता है - संस्थान, इतिहास, विधि, आचारशास्त्र, दर्शन, वर्ग, शिक्षा, परम्परा, विश्वास, मूल्य, प्रतीक, पौराणिक गाथाएँ आदि जिनको भौतिक तथा अभौतिक संस्कृति का नाम दिया जाता है। लोक प्रशासन सहित सभी संस्थानों पर समाज के पर्यावरण और संस्कृति का प्रभाव पड़ता है। F.W. Riggs कहते हैं कि "किसी भी प्रशासनिक नमूने का महत्व उसकी स्थिति के अंतर्गत होता है।" F.W. Riggs ने पुनः यह कहा है कि "अब यह सर्वव्यापी माना जाने लगा है कि किसी भी समाज में राजनीतिक, आर्थिक तथा सामाजिक और सांस्कृतिक घटनाओं की उसी प्रकार प्रशासनिक व्यवस्था के साथ परस्पर क्रिया होती है जैसे सभी सामाजिक संस्थाएँ अपने पर्यावरण के साथ परस्पर क्रिया करती हैं तथा उनको प्रभावित करती हैं और उनसे प्रभावित होती हैं।"

आधुनिक लोक प्रशासन को वैज्ञानिक स्वरूप देने तथा लोक प्रशासन को तुलनात्मक-विकासात्मक दृष्टिकोण प्रदान करके इसे व्यापक, विस्तृत और समृद्ध बनाने में Fred. W. Riggs का सर्वाधिक महत्वपूर्ण योगदान रहा है। तुलनात्मक लोक प्रशासन में पारिस्थितिकी दृष्टिकोण (Ecological approach) उनके अविस्मरणीय योगदानों में से एक है। Riggs की महत्वपूर्ण रचनाओं में "The Ecology of

Scanned with CamScanner

Public Administration (1961), Administration in Developing Countries, The Theory of Prismatic Society (1962) तथा Frontiers of Development Administration विशेष उल्लेखनीय मानी जाती हैं। इनके अध्ययन के विषय मुख्यतः विकासशील अथवा संक्रमणशील समाज रहे हैं। आधुनिक लोक प्रशासन को समृद्ध बनाने में उनके निम्नलिखित योगदान ज्यादा उल्लेखनीय हैं:

1) संरचनात्मक-कार्यात्मक दृष्टिकोण (Structural-Functional Approach)
2) पारिस्थितिकीय दृष्टिकोण (Ecological Approach)
3) कृषि प्रधान तथा उद्योग प्रधान प्रतिमान (Agrarian and Industrial Model)
4) बहुकार्यात्मक एवं संगपार्श्वीय प्रतिमान (Models of Fused and Prismatic Society)
5) साला प्रतिमान (SALA Model)

यहाँ मुख्यतः Riggs के पारिस्थितिकीय दृष्टिकोण (Ecological Approach) पर ध्यान केन्द्रित किया जा रहा है। Riggs ने अपने अध्ययन और अनुसंधान से यह निष्कर्ष निकाला कि प्रशासन, वातावरण एवं पर्यावरण में घनिष्ठ संबंध है। इन संबंधों को वह परिस्थितिकी या इकोलॉजी के माध्यम से जोड़ना चाहता है। प्रशासनिक व्यवहार का अध्ययन करने के लिए उसने पारिस्थितिकीय को जानना आवश्यक बताया है। उनके अनुसार किसी भी प्रशासनिक ढाँचे का महत्व उसकी स्थिति के अंतर्गत होता है। ~~प्रो-रिग्स के अनुसार अब यह~~

प्रो० रिग्स के अनुसार किसी भी समुदाय का सामाजिक पर्यावरण उसके संस्थानों, परम्पराओं, धर्म, मूल्यों, विश्वास और लोकाचार पर आधारित होता है और इसका प्रशासन पर गहरा प्रभाव पड़ता है। ~~प्रो०~~ रिग्स ने प्रशासन और उसके पर्यावरण के मध्य गतिशील संबंधों का व्यापक तुलनात्मक अध्ययन किया है। रिग्स की यह मान्यता है कि कोई भी प्रशासन ~~तभी~~ दूसरे देश में तभी सफल ढंग से कार्य कर सकता है जब दोनों देशों की सामाजिक, आर्थिक तथा राजनीतिक अवयवों को ही चुना था, किन्तु बाद के अध्ययनों में उन्होंने राष्ट्रीय मनोविज्ञान तथा

Scanned with CamScanner

सामाजिक प्रविधि के आयामों, औद्योगिक पारिस्थितिकी, समय, जनसंख्या इत्यादि के अध्ययनों को भी अपनी रचनाओं में महत्व दिया। कुल मिलाकर रिग्स द्वारा प्रस्तुत पारिस्थितिकी दृष्टिकोण ने तुलनात्मक लोक प्रशासन को वैज्ञानिक रूप से व्यापक, विस्तृत और समृद्ध बनाया है।

—x—

Dr. S. B. Kumar

Scanned with CamScanner